भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1726
10.12.2025 को उत्तर देने के लिए

दाहोद में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण

1726. श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोरः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या नवीनतम आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) (नवंबर 2025) के अनुसार, गुजरात के दाहोद जिले जैसे जनजाति बहुल जिलों में युवा रोजगार, कृषि पर निर्भर कामगारों और निर्माण क्षेत्र में लगे कामगारों के संबंध में कोई विशिष्ट रूझान सामने आया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या कार्यप्रणाली में संशोधन के पश्चात् दाहोद जिले में सामान्य सेवा केन्द्रों (सीएससी) को पीएलएफएस डेटा तक आसान पहुंच प्रदान करने के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या नए राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण (एनआईसी) 2025, वर्गीकरण से दाहोद के प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों जैसे कृषि, निर्माण, पत्थर-पेराई और लघु-स्तरीय विनिर्माण में रोजगार के आंकड़ों की सटीकता में सुधार होने की आना है और यदि हो, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;और

(घ) क्या एनआईसी-2025 का उपयोग दाहोद में जनजातीय युवाओं के लिए कौशल निर्माण और रोजगार मानचित्रण को सशक्त करने के लिए किया जाएगा, जो निर्माण और सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में बड़ी संख्या में काम करते हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री (राव इंद्रजीत सिंह)

(क): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (सां. और कार्य. कार्यां. मंत्रा.) के तहत राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) गुजरात सहित देश भर में विभिन्न सामाजिक-आर्थिक विषयों पर बड़े पैमाने पर प्रतिदर्श सर्वेक्षण आयोजित करने और राष्ट्रीय स्तर तथा राज्य/संघ राज्य क्षेत्र दोनों स्तरों पर केंद्रीय प्रतिदर्श डेटा के आधार पर आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के माध्यम से श्रम बल सांख्यिकी के महत्वपूर्ण संकेतकों का

अनुमान लगाने के लिए उत्तरदायी है। तथापि, प्रतिदर्श आकार की सीमाओं के कारण, एनएसएस केंद्रीय प्रतिदर्श डेटा से जिला स्तर पर विश्वसनीय अनुमान तैयार करना संभव नहीं है। इस प्रकार, दाहोद जिले के संबंध में पीएलएफएस रिपोर्ट से ऐसे अनुमान उपलब्ध नहीं हैं।

(ख): पीएलएफएस सहित एनएसएस के सर्वेक्षण सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के क्षेत्र संकार्य प्रभाग (एफओडी) के सुप्रशिक्षित प्रगणकों द्वारा किए जाते हैं, न कि सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) के माध्यम से। डेटा संग्रहण डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर कंप्यूटर सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार (सीएपीआई) का उपयोग करके हाथ में पकड़े जाने वाले उपकरणों के माध्यम से किया जाता है। इसके अतिरिक्त, पीएलएफएस की सर्वेक्षण रिपोर्ट इकाई-स्तरीय डेटा के साथ-साथ सां. और कार्य. कार्यों. मंत्रा.की वेबसाइट के माध्यम से सार्वजनिक डोमेन में जारी की जा रही हैं, ताकि हितधारकों/उपयोगकर्ताओं की पहुँच आसान हो सके।

(ग) और (घ): वर्तमान पीएलएफएस एनआईसी 2008 के अनुसार किया जा रहा है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने हाल ही में नवंबर 2025 के महीने में एनआईसी 2025 जारी किया है। एनआईसी 2025 ने एनआईसी 2008 की 5-अंकीय संरचना के स्थान पर एक नई 6-अंकीय कोडिंग संरचना की शुरूआत की है और यह भारत में आर्थिक कार्यकलापों के वर्गीकरण के लिए नवीनतम अद्यतित राष्ट्रीय मानकों का पालन करता है जो कृषि, निर्माण, पत्थर-पेराई आदि सहित सभी आर्थिक कार्यकलापों के लिए एक व्यापक तथा समकालीन रूपरेखा उपलब्ध कराता है। इसके अतिरिक्त, पीएलएफएस प्राप्त व्यावसायिक प्रशिक्षण की स्थिति के बारे में जानकारी प्रदान करता है, जो लिंग, आयु, समूह, प्रशिक्षण के क्षेत्र, आदि के आधार पर विभाजित होती है, जिससे सरकार को श्रम क्षेत्र से संबंधित साक्ष्य-आधारित नीति निर्धारण करने में मदद मिलती है।

*****